प्रधानमंत्री ने राजस्थान में परियोजनाओं का उद्घाटन किया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रधानमंत्री ने **राजस्थान में** 46,300 करोड़ रुपए से अधिक लागत की **24 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।**

- परियोजनाएँ **ऊर्जा, सड़क, रेलवे** और **जल संसाधनों** **सहित विभिन्न क्षेत्रों में** विस्तारित हैं।

मुख्य बिंदु

- **पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना:**
  - यह एक अंतर-राज्यीय नदी जोड़ो पहल है, जिसे मध्य प्रदेश में **चंबल नदी** से **पार्वती, नेवज और कालीसिंध नदियों** के अधिशेष जल को राजस्थान में **पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ERCP)** तक ले जाने के लिये **डिज़ाइन** किया गया है।
  - इस एकीकरण का उद्देश्य संबंधित राज्यों के बीच **जल बंटवारे, लागत-लाभ वितरण और जल विनिमय जैसे मुद्दों का समाधान करना है।**
  - **इस परियोजना का उद्देश्य राजस्थान के 21 ज़िलों** को सिंचाई और पेयजल उपलब्ध कराना है।
  - इससे राजस्थान और मध्य प्रदेश दोनों में विकास को बढ़ावा मिलने की आशा है।
- **परियोजना में शामिल नदियाँ:**
- **चंबल नदी:**
  - **उद्गम:** सिरोंज चौरी चोटी, विंध्य पर्वत, इंदौर, मध्य प्रदेश।
  - **प्रमुख सहायक नदियाँ:** बनास, काली सिंध, क्षिप्रा, पार्वती।
- **पार्वती नदी:**
  - **उद्गम:** विंध्य रेंज, सीहोर ज़िला, मध्य प्रदेश।
  - **महत्त्वपूर्ण सहायक नदियाँ:** कोई नहीं।
- **कालीसिंध नदी:**
  - **उद्गम स्थल:** बागली, देवास ज़िला, मध्य प्रदेश।
  - **प्रमुख सहायक नदियाँ:** परवन, नेवज, आहू।
- **पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ERCP):**
  - राज्य सरकार ने जल संबंधी समस्याओं के समाधान के लिये **ERCP को मंज़ूरी प्रदान की और उसका विस्तार किया।**
  - पूर्वी राजस्थान के 13 ज़िलों में पेयजल एवं सिंचाई जल की समस्या के स्थायी समाधान के रूप में राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2017-18 के राज्य बजट में महत्त्वाकांक्षी **पेयजल एवं सिंचाई जल परियोजना** **पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ERCP)** की घोषणा की गई थी।
    - इन ज़िलों में **झालावाड़, बारां, कोटा बूंदी, सवाई माधोपुर, अजमेर, टोंक, जयपुर, दौसा, करौली, अलवर, भरतपुर और धौलपुर शामिल थे।**
  - ERCP का उद्देश्य दक्षिणी राजस्थान की नदियों जैसे **चंबल और उसकी सहायक नदियों**, जैसे **कुनू, पार्वती, कालीसिंध,** में वर्षा के दौरान उपलब्ध अधिशेष जल का संचयन करना तथा इस जल का उपयोग राज्य के दक्षिण-पूर्वी ज़िलों में करना है, जहाँ पीने और सिंचाई के लिये जल की कमी है।
    - ERCP की योजना वर्ष 2051 तक दक्षिणी और दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में मनुष्यों और **पशुपालन** के लिये पेयजल और औद्योगिक जल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये बनाई गई है।

चंबल नदी

- **परिचय:**
  - यह **विंध्य पर्वत** (इंदौर, मध्य प्रदेश) की उत्तरी ढलानों में **सिरोंज चौरी चोटी से निकलती है।** वहाँ से यह मध्य प्रदेश में उत्तर दिशा में लगभग 346 किलोमीटर की लंबाई तक बहती है और **फिर राजस्थान से होकर 225 किलोमीटर की लंबाई तक उत्तर-पूर्व दिशा में बहती है।**
    - यह नदी **उत्तर प्रदेश में प्रवेश करती है और** इटावा ज़िले में **यमुना नदी** में मिलने से पहले लगभग 32 किमी. तक बहती है।
    - यह एक मानसूनी नदी है, जिसका **बेसिन विंध्य पर्वत शृंखलाओं और अरावली से घिरा हुआ है।** चंबल और इसकी सहायक

नदियाँ उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र को जल प्रदान करती हैं।

- **राजस्थान में हाड़ौती पठार** मेवाड़ मैदान के दक्षिण-पूर्व में चंबल नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में स्थित है।

- **सहायक नदियाँ:** बनास, काली सिंध, सिप्रा, पारबती, आदि।
- **मुख्य विद्युत परियोजनाएँ/बाँध:** **गांधी सागर बाँध**, **राणा प्रताप सागर बाँध**, जवाहर सागर बाँध और **कोटा बैराज**।
- राष्ट्रीय **चंबल अभयारण्य** राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के त्रि-जंक्शन पर चंबल नदी के किनारे स्थित है। यह गंभीर रूप से लुप्तप्राय घड़ियाल, रेड क्राउन रूफ्ड टर्टल (कछुए) और लुप्तप्राय **गंगा नदी डॉल्फिन** के लिये जाना जाता है।

//

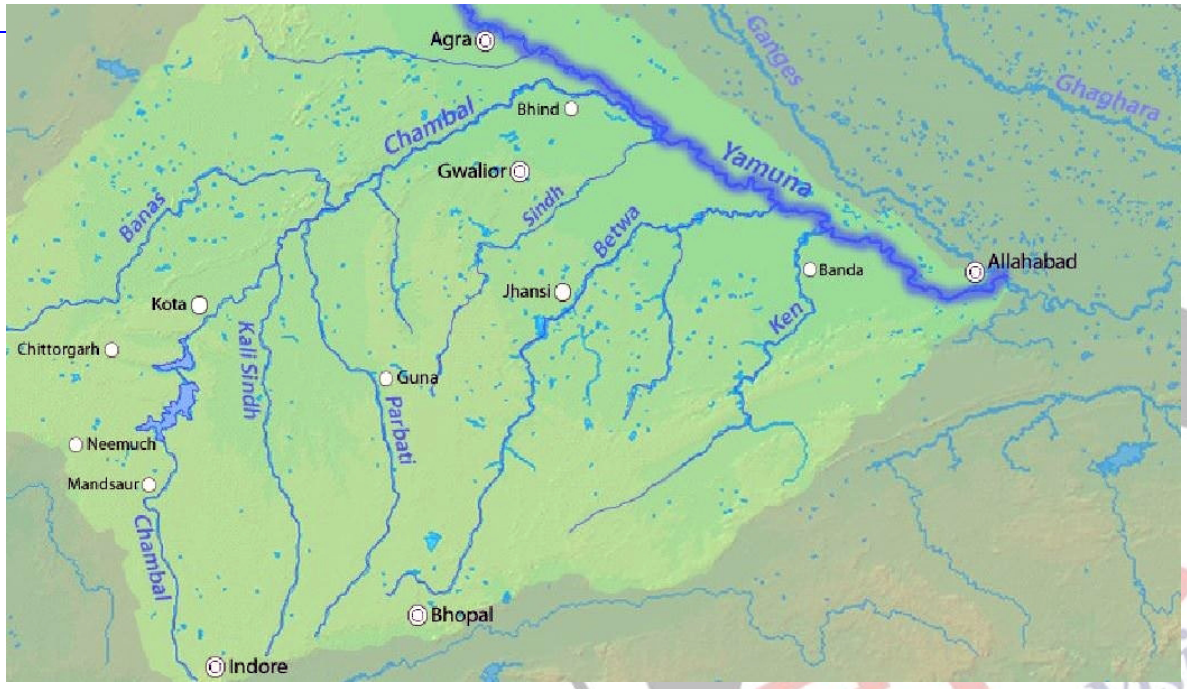

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pt-inaugurates-projects-in-rajasthan